राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,शुक्रवार, 15 मई 2026
वर्ष 14,अंक 36, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले नई सड़कें-पुल और पुलियों का होगा निर्माण...03

कान्स में मर्मेड बनीं उर्वशी रौतेला... क्रिस्टल ताज और कौरेसल बैग संग ढाया कहर...04

# केजरीवाल-सिसोदिया समेत AAP के इन नेताओं की बढ़ी मुश्किलें, जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने शुरू की अवमामना कार्रवाई

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, विनय मिश्रा और सौरभ भारद्वाज के खिलाफ अवमानना का मामला शुरू किया. कोर्ट ने कहा कि उन्होंने बदनाम करने वाले लेटर, एडिटेड वीडियो पोस्ट करके उन्हें 'पब्लिकली टारगेट' किया था. दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इस एडिटेड वीडियो से ऐसा लग रहा है कि इस जज को प्रमोशन मिला है और वह किसी के असर में है. इस आदमी को पता था कि वो ये वीडियो एडिट कर रहे हैं. फैक्ट चेक रिपोर्ट भी की गई थी, जिसे कंटेमनर्स ने आसानी से नजरअंदाज कर दिया. यहां तक कि उस कॉलेज ने भी बयान जारी किया कि वीडियो एडिट किया गया था. कोर्ट ने कहा कि मैं उस कॉलेज द्वारा बाद में पब्लिश किए गए स्क्रीनशॉट का भी जिक्र कर रही हूं. इन्हें अपना नैरेटिव सेट करने के लिए, इस कोर्ट को स्कैंडलाइज करने के लिए उन्होंने इसको सर्कुलेट किया.

### सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कही ये बात

कोर्ट ने कहा कि संजय सिंह ने भी ऐसा ही झूठा दावा किया था. विनय मिश्रा ने भी ऐसा ही पोस्ट किया था. मिश्रा ने भी यही वीडियो पोस्ट किया था. कोर्ट ने पूछा कि इससे ज्यादा बेइज्जती वाली बात और क्या हो सकती है? कोर्ट ने कहा कि यह ऑर्डर कोर्ट में पास हो रहा है, क्ष्छ्क हेडक्वार्टर में नहीं. विनय मिश्रा, मैं आपके खिलाफ कंटेम्प्ट एक्शन ले रही हूं और यही मेरा जवाब है. कोर्ट ने कहा कि सौरभ भारद्वाज का एक और वीडियो, उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी. इसे क्क यूट्यूब पर ब्रॉडकास्ट किया गया और ङ्ग पर शेयर किया गया. यह मामला इस कोर्ट में पहली बार लिस्ट होने के एक दिन बाद हुआ था. मेरे सामने तब कोई पार्टी नहीं थी जब इन्हें यह पोस्ट किया.

### सख्ती से नहीं निपटा गया तो अराजकता को जन्म देगा

कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि क्ष्छ्क का हाई कोर्ट जज से क्या रिश्ता है? उन्होंने सबके सामने इस कोर्ट की ईमानदारी और निष्पक्षता पर सवाल उठाए. पब्लिकली यह पूछना कि दिल्ली हाई कोर्ट के सिटिंग जज का किसी पार्टी से क्या रिश्ता है, ज्यूडिशियल प्रोसीडिंग्स की सही आलोचना नहीं है. यह बेइज्जती है. मैं बेइज्जत मानती हूं. कोर्ट ने कहा यह ऑर्डर किसी भी लिटिगेंट के खिलाफ गुस्से में लिखा गया ऑर्डर नहीं है. यह ऑर्डर उन कामों के बाद आया है, जिनमें ज्यूडिशियरी को खास तौर पर टारगेट किया गया था. ये कंटेम्प्ट की कार्रवाई गुस्से का नतीजा नहीं है. एक इंडिविजुअल जज के तौर पर, यह कोर्ट भी सभी लिटिगेंट का सम्मान करता है. जज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने अपने सेलेक्टिव लेटर, सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अदालत को धमकाने की कोशिश की है. केजरीवाल मुझे दबाव में डालना चाहते थे. मैंने दबाव में आने से इंकार कर दिया. केजरीवाल का आचरण अदालत की अवमानना के दायरे में आता है. अगर इससे सख्ती से नहीं निपटा गया तो यह अराजकता को जन्म देगा. जस्टिस स्वर्णकांता ने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर मेरे एडिट और छेड़छाड़ वाले वीडियो डाले गए ताकि यह साबित हो सके कि मेरा राजनैतिक रूझान है. सौरभ भारद्वाज के बयानों का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि उन्होंने भी उनका बीजेपी से वास्ता बताकर उन पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया है.

### आगे सुनवाई जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा नहीं करेंगी

अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार की आड़ में अदालत की गरिमा को कम करने, कोर्ट को डराने की इजाजत नहीं दी जा सकती. कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, दुर्गेश पाठक, सौरभ भारद्वाज का रवैया अदालत की अवमानना के दायरे में आता है. इसका मतलब है कि इन सबको अदालत की अवमानना की कार्रवाई का सामाना करना पड़ेगा. जज ने कहा कि मुझे किसी की तारीफ या संवेदना नहीं चाहिए. मैं चुप रह सकती थी लेकिन इसका मतलब यह होता कि मैं संस्था को नहीं बचाती. मैं यह आदेश इसलिए दे रही हूं ताकि कोर्ट निडर होकर काम करता रहे.आबकारी नीति मामले की आगे सुनवाई जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा नहीं करेंगी. उन्होंने कहा कि चूंकि मैं अवमानना का नोटिस जारी किया है. इसलिए मैं मूल केस को नहीं सुनूंगी

### जस्टिस स्वर्णकांता ने जाहिर की नाराजगी

जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा कि वो मूल केस को दूसरी बेंच के सामने ट्रांसफर करेंगी. सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट से आग्रह कर रहे हैं कि आप ही इस मामले को सुने वरना आगे के लिए यह गलत नजीर बन जाएगा. CBI की ओर से स्त्र मेहता ने कहा कि आगे चलकर दूसरे लोग भी इस तरह से सवाल उठाकर अदालत को प्रभावित करने की कोशिस कर सकते है. ये गलत नजीर बनेगा. दिल्ली की आबकारी नीति में ट्रायल कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल समेत 23 लोगों को बरी करने के फैसले के खिलाफ छ्क्ष्ठ की याचिका पर सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अपने खिलाफ की जा रही टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए नाराजगी जाहिर की. जस्टिस स्वर्ण कांता ने कहा कि अवमाननाकर्ताओं ने एक पत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने कार्यवाही का बहिष्कार किया. उस चिट्ठी को उन्होंने प्रसारित किया और एक वीडियो भी बनाया. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि यद्यपि कोर्ट के भीतर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे कोर्ट का सम्मान करते हैं, लेकिन अदालत के बाहर उन्होंने मेरे खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया.

# NEET-UG 2026 पेपर लीक केस में एक्शन, पुणे और अहिल्यानगर से दो गिरफ्तार

NEET पेपर लीक जांच में पुणे से एक और युवक हिरासत में लिया गया है. पुणे पुलिस ने ह्रश्वश्वज्ञ पेपर लीक मामले की जांच के दौरान एक और युवक को गिरफ्तार में लिया है. यह कार्रवाई पुणे के मांजरी इलाके में की गई. गिरफ्तार किये गये युवक की पहचान शेषराव सोलुंके के रूप में हुई है, जो रायसोनी कॉलेज में इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष का छात्र बताया जा रहा है. इसके साथ ही अहिल्यानगर से भी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है. इस तरह से गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर सात हो गई है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामले में उसकी संभावित भूमिका और कनेक्शन की जांच के लिए उससे पूछताछ की जा रही है. NEET पेपर लीक जांच में पुणे में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है. इससे पहले पुलिस ने मनीषा वाघमारे के खिलाफ कार्रवाई की थी. सूत्रों के अनुसार, मनीषा वाघमारे से पूछताछ में सामने आया है कि उसकी और धनंजय लोखंडे की कई वर्षों से पहचान थी और दोनों के बीच लंबे समय से पैसों का लेन-देन भी होता रहा था.

### NEET पेपर लीक मामले में मिले अहम सुराग

जांच एजेंसियों को शक है कि ह्रश्वश्वज्ञ पेपर लीक मामला सामने आने के बाद मनीषा और लोखंडे ने अपने मोबाइल फोन से कई चैट्स डिलीट कर दिए थे, ताकि वे जांच के दायरे में न आएं. पुलिस को आशंका है कि कई संदिग्ध बातचीत जानबूझकर हटाई गई. CBI ने अब दोनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं और डिलीट किए गए चैट्स रिकवर करने के लिए उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है. जांचकर्ताओं का मानना है कि हटाए गए कुछ संदेश ह्रश्वश्वज्ञ पेपर लीक मामले से जुड़े अहम सुराग दे सकते हैं. हिरासत मैं लिए गए इंजीनियर छात्रा पर लीक पेपर के डिस्ट्रिब्यूशन का आरोप है जिसकी जांच की जा रही है.

### 5 आरोपियों को सात दिनों की सीबीआई रिमांड

इस बीच, CBI ने दिल्ली की एक कोर्ट से NEET-UG 2026 पेपर लीक केस में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों की सात दिन की पुलिस कस्टडी मांगी है. उनका दावा है कि ऑनलाइन क्वेश्चन पेपर सर्कुलेट करके एग्जाम में गड़बड़ी की गई थी. कोर्ट ने आरोपियों को सात दिनों को सीबीआई रिमांड पर भेज दिया. स्पेशल जज (CBI) अजय गुप्ता के सामने फाइल की गई रिमांड एप्लीकेशन के मुताबिक, आरोपी यश यादव, मांगीलाल खटीक उर्फ ??मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल को 13 मई को जयपुर में गिरफ्तार किया गया था. डिपार्टमेंट ऑफ़ हायर एजुकेशन (NTA डिवीजन) के डायरेक्टर वरुण भारद्वाज की शिकायत पर 12 मई को FIR दर्ज की गई थी. CBI ने कोर्ट को बताया कि राजस्थान के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (SOG) की जांच में कुछ लीक हुए सवालों के असली होने की खबर मिली थी, जिसके बाद सरकार ने परीक्षा कैंसिल कर दी थी. रिमांड कॉपी में कहा गया है, 'अप्रैल 2026 में, नासिक के शुभम नाम के एक व्यक्ति ने यश यादव को बताया कि मांगीलाल ने उससे संपर्क किया था कि वह उसके छोटे बेटे के लिए परीक्षा से पहले लीक हुए ह्रश्वश्वज्ञ त्त 2026 के सवाल-जवाब के पेपर 10-12 लाख में अरेंज करेगा. '

## संक्षिप्त ख़बरें

### राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, आय से अधिक संपत्ति के आरोप पर हाईकोर्ट ने CBI-ED से 8 हफ्ते में मांगा जवाब

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच के लिए CBI और ED को निर्देश दिया है. कोर्ट ने दोनों एजेंसियों से 8 हफ्तों के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा है. जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की खंडपीठ ने कर्नाटक बीजेपी कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश जारी किया है. याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और उनके परिवार ने अपनी घोषित आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है. सुनवाई के दौरान बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह आरोपों की सच्चाई पर अभी कोई राय नहीं रखती. बेंच ने कहा कि आरोपों पर हमारी अभी कोई राय नहीं है. मामला शुरुआती चरण में है. सुनवाई में CBI और श्वष्ठ ने कोर्ट को बताया कि उन्हें शिकायत मिल चुकी है और वे मामले में अपना जवाब दाखिल करेंगे.

### याचिकाकर्ता ने क्या-क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि शिकायत मिलने पर कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए. दरअसल, याचिकाकर्ता ने DOP&T, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और SFIO (Serious Fraud Investigation Office) को भी मामले में पक्षकार बनाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया. कोर्ट ने सभी संबंधित पक्षों को आठ हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है.

### मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई को

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता ने ये भी अनुरोध किया है कि सचिव कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय को भी पक्षकार बनाने की अनुमति दी जाए. क्योंकि उसने याचिका में इस पक्ष का जिक्र नहीं किया था, लेकिन उसने न्यायालय को बताया है कि कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय भी एक जरूरी पक्षकार है. उसने वो कारण बताए हैं कि क्यों इन पक्षों को लिस्ट में शामिल किया जाए. इस पर कोर्ट ने कहा, उपर्युक्त पक्षकार बनाने वाले आवेदन को स्वीकार कर लिया जाए. मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई 2026 को होगी.

# 2021 में आतंकियों से लड़ा, गोली खाई... मिला अशोक चक्र; वही जवान बना लुटेरा; दिल्ली में बुजुर्ग कोड्ड हनीट्रैंप में फंसाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साउथ दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके से हनी ट्रैप, लूट और अपहरण का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में सेना के एक जवान समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. हैरान करने वाली बात ये है कि जिस जवान को अरेस्ट किया गया है, उसे अशोक चक्र से सम्मानित किया जा चुका है. आरोप है कि इन लोगों ने 72 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट को प्रेमजाल में फंसाकर उनके साथ मारपीट की, लूटपाट की और फिर फिरौती मांगते हुए अपहरण कर लिया. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बुजुर्ग को उनकी ही कार में अगवा कर हरियाणा तक ले जाकर छोड़ दिया था.

### आरोपी सुरेंद्र सेना का जवान

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा के फतेहाबाद निवासी सुरेंद्र (31), दिल्ली के कालकाजी निवासी कल्पना कुमारी (40), फतेहाबाद के कुलदीप और सुशील शामिल हैं. न्यूज एजेंसी पीटीआई भाषा के मुताबिक, सुरेंद्र सेना का जवान है, जिसे वर्ष 2022 में अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था. वह 2021 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनाती के दौरान आतंकियों की गोली लगने से घायल हुआ था. फिलहाल उसकी पोस्टिंग मथुरा में थी, लेकिन वह ड्यूटी पर रिपोर्ट नहीं कर रहा था. जांच में सामने आया है कि पीड़ित और कल्पना एक-दूसरे को पहले से जानते थे. पुलिस के अनुसार, दो मई की शाम कल्पना सैनिक फार्म स्थित बुजुर्ग के घर पहुंची. इसी दौरान उसके साथी भी घर में घुस आए और उन्होंने बुजुर्ग को बंधक बना लिया. आरोपियों ने कथित तौर पर पीड़ित के साथ मारपीट की, उन्हें टेप से बांध दिया और घर में रखी नकदी, गहने तथा जरूरी दस्तावेज लूट लिए.

### 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने अलमारी से करीब पांच लाख रुपये नकद, दराज में रखे 8 से 10 हजार रुपये, नकदी से भरा पर्स, सोने की तीन अंगूठियां, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और क्रेडिट कार्ड लूट लिए. इसके बाद वे पीड़ित को जबरन उनकी कार में डालकर मेरठ की ओर ले गए. रास्ते में आरोपियों ने बुजुर्ग से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी और उन्हें अपने परिचित से 15 लाख रुपये मंगाने के लिए मजबूर किया. हालांकि, जब पीड़ित रकम का इंतजाम नहीं कर सके तो आरोपी उन्हें हरियाणा के फिरोजपुर झिरका इलाके में दिल्ली-मुंबई हाईवे के पास छोड़कर फरार हो गए. पीड़ित किसी तरह पास के एक ढाबे तक पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी.

### 36 घंटे के भीतर आरोपी अरेस्ट

मामले की गंभीरता को देखते हुए नेब सराय थाना पुलिस ने अपहरण, लूट, मारपीट और आपराधिक साजिश की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की. सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय पूछताछ के आधार पर पुलिस ने करीब 36 घंटे के भीतर कल्पना और सुरेंद्र को मथुरा से गिरफ्तार कर लिया. उनके पास से चार लाख रुपये नकद और पीड़ित का पर्स बरामद हुआ. बाद में फतेहाबाद में छापेमारी कर दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने लूटी गई नकदी, गहने, दस्तावेज, पीड़ित की कार और अपराध में इस्तेमाल की गई एयरगन भी बरामद कर ली है. पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि कल्पना और सुरेंद्र दोनों पहले से तलाकशुदा थे. दोनों की पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जिसके बाद उनकी नजदीकियां बढ़ीं और नवंबर 2025 में दोनों ने मंदिर में विवाह कर लिया. फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह के अपराधों में शामिल रहे हैं या नहीं.

# बंगाल में कोयला खदान की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत, 15 घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को आसनसोल स्थित 'ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड' (ईसीएल) की एक कोयला खदान में 'एयर ब्लास्ट' के बाद भूमिगत खदान की दीवार का एक हिस्सा ढह जाने से एक मजदूर की मौत हो गई और कम से कम 15 अन्य घायल हो गए। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 10 बज कर 30 मिनट पर ईसीएल के कुनुस्तोरिया क्षेत्र स्थित परासिया कोयला खदान में हुआ। घटना के समय कई खनिक अंदर काम कर रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खदान के सेक्शन-27 में 'एयर ब्लास्ट' हुआ, जिसके कारण कई मजदूर फंस गए और घायल हो गए। खदान में एयर ब्लास्ट का मतलब भूमिगत खदान के भीतर हवा या गैस के दबाव के अचानक बाहर निकलने से पैदा होने वाला तेज बहाव है।अधिकारी ने कहा, 'विस्फोट के प्रभाव से खदान के अंदर काम कर रहे मजदूर अलग-अलग दिशाओं में जा गिरे। घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया।' अधिकारी के मुताबिक, घायलों को रानीगंज स्थित बांसरा अस्पताल और आसनसोल स्थित कल्ला अस्पताल सहित ईसीएल द्वारा संचालित अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वहीं, देबायन मुंडा नामक एक श्रमिक को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल श्रमिकों में कई संविदा मजदूर हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद कई श्रमिक संगठनों ने सुरक्षा उपायों में चूक का आरोप लगाते हुए अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। ईसीएल के अधिकारियों ने अभी तक इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

# दिल्ली हाईकोर्ट टिप्पणी पर BJP का हमला, RP सिंह बोले- अदालतों को बदनाम करना खतरनाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट में हुई हालिया टिप्पणी को लेकर आम आदमी पार्टी और सोशल मीडिया अभियानों पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि अदालतों को बदनाम करने और उन पर दबाव बनाने की कोशिश भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का जिक्र करते हुए आरपी सिंह ने कहा कि अदालत ने साफ कहा है कि एडिटेड वीडियो, चुनिंदा क्लिप और सोशल मीडिया अभियानों के जरिए कोर्ट की छवि खराब करने की कोशिश की गई। उनके मुताबिक, यह सिर्फ राजनीतिक आलोचना नहीं बल्कि न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्था पर दबाव बनाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा कि अगर जजों को राजनीतिक उम्मीदों के मुताबिक फैसला न देने पर निशाना बनाया जाएगा, तो सबसे बड़ा नुकसान न्याय व्यवस्था को होगा। आरपी सिंह ने इसे 'अर्बन नक्सल इकोसिस्टम' की सोच बताते हुए कहा कि कुछ लोग संस्थाओं पर तभी भरोसा करते हैं, जब फैसले उनके पक्ष में हों। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देना हर नागरिक का अधिकार है। लेकिन सोशल मीडिया ट्रायल, एडिटेड वीडियो और संगठित दुष्प्रचार के जरिए अदालतों की विश्वसनीयता पर हमला करना बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है।उन्होंने यह भी कहा कि अदालत ने एक शैक्षणिक कार्यक्रम में दिए गए व्याख्यान के वीडियो को कथित तौर पर काट-छांट कर फैलाने पर भी चिंता जताई है। आरपी सिंह के अनुसार, इस तरह की गतिविधियां लोकतांत्रिक बहस नहीं बल्कि संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश हैं। पोस्ट के अंत में आरपी सिंह ने कहा कि भारत का लोकतंत्र उसकी स्वतंत्र और मजबूत संस्थाओं की वजह से कायम है। अगर राजनीतिक कारणों से संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश होगी, तो इससे लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था दोनों को नुकसान पहुंचेगा।

# देश समृद्ध होगा तो हम सब भी समृद्धि की ओर अग्रसर होंगे: योगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस तरह कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के दौरान देशवासियों ने एकजुट होकर संकट का सामना किया था, पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के बीच उसी सामूहिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय भावना के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। यह वैश्विक संकट है, जिसका असर ईंधन, खाद्य व उर्वरक आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऐसे समय हर नागरिक का दायित्व बनता है कि वह पब्लिक ट्रांसपोर्ट और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे विकल्पों को अपनाकर देश के आत्मनिर्भरता अभियान को मजबूती दे। मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ के होटल ताज में टाइम्स ऑफ इंडिया के '9 डिफाइनिंग इयर्स ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग यूपी' कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

### संकट के समय देशहित सर्वोपरि

मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए ईंधन की बचत के लिए रिन्यूएबल एनर्जी, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, कार पूलिंग, मेट्रो, इलेक्ट्रिक व्हीकल और शटल बस जैसी व्यवस्थाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने 7700 से अधिक गोआश्रय स्थलों में संरक्षित 15 लाख से अधिक गोवंश के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर गैस प्लांट आधारित सामूहिक किचन मॉडल विकसित करने की बात कही, जिससे एलपीजी पर निर्भरता कम हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट के समय देशहित सर्वोपरि होना चाहिए। हर नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्र के साथ खड़ा होकर अपना योगदान दे। उन्होंने अधूरी जानकारी के आधार पर नकारात्मक टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की अपील को पूरी गंभीरता से पढ़कर, समझकर और चिंतन-मनन के बाद ही निष्कर्ष निकालना चाहिए। देश रहेगा तो हम सब रहेंगे, प्रदेश सुरक्षित रहेगा तो हम सब सुरक्षित रहेंगे और देश समृद्ध होगा तो हम सब भी समृद्धि की ओर अग्रसर होंगे।

### बालिग होती पीढ़ी को सही जानकारी देना आवश्यक

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिग होती पीढ़ी को उत्तर प्रदेश के बारे में सही जानकारी देना आवश्यक है। 500 से 1500 वर्ष पूर्व तक भारत की विश्व अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 44-45 प्रतिशत थी, कारण था जीवन के हर क्षेत्र में सामूहिकता, समन्वय और परस्पर सहयोग। भारत के पास दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भूमि और जल संसाधन थे। विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार की परंपरागत खेती होती थी। खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग और हस्तशिल्प का भी उत्कृष्ट तंत्र विकसित था। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का जाल फैला हुआ था। भारतीय कारीगर और व्यापारी विश्व बाजार तक अपनी वस्तुओं को पहुंचाते थे। खेती, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन की व्यापक संभावनाओं के कारण भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना।

### आक्रमणों के बावजूद भारत अस्तित्व बचाने में सफल

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में आज जो आर्थिक समृद्धि दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें मात्र 400-500 वर्ष पुरानी हैं, जबकि भारत में यह समृद्धि इससे बहुत पहले विद्यमान थी। लेकिन जब हमने अपने संसाधनों, ज्ञान और नवाचार पर विश्वास करना छोड़ दिया, रिसर्च एवं डेवलपमेंट को उपेक्षित किया तो हम पिछड़ते गए। उस समय तीर्थयात्रा पर्यटन का प्रमुख रूप थी। केदारनाथ में जलाभिषेक के लिए रामेश्वरम का जल और रामेश्वरम में अभिषेक के लिए गंगोत्री का जल ले जाने की परंपरा उत्तर और दक्षिण को जोड़ती थी। द्वादश ज्योतिर्लिंग और चार धाम पूरे देश को एक सूत्र में बांधते थे। जीवन इस तरह व्यवस्थित था कि कोई किसी पर बोझ न बने। यही कारण था कि भारत विश्व गुरु बना। हजार वर्षों के आक्रमणों, अत्याचारों और शोषण के बावजूद भारत अपने अस्तित्व और संस्कृति को बचाए रखने में सफल रहा, जो दुनिया में कम ही देखने को मिलता है।

# नीट पेपर लीक विवाद और टूटता परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा

देश में हर साल करोड़ों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई सरकारी अधिकारी। इन परीक्षाओं के साथ केवल अंक नहीं जुड़े होते, बल्कि परिवारों की उम्मीदें, कई वर्षों की मेहनत और भविष्य की दिशा भी जुड़ी होती है। यही कारण है कि जब किसी बड़ी परीक्षा में पेपर लीक होने की खबर आती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल के वर्षों में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर जो विवाद सामने आए, उन्होंने लाखों छात्रों का भरोसा हिला दिया। फिजिक्स वाला के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडे ने दावा किया कि बच्चों से लगातार ऐसी बातें सुनने को मिल रही थीं कि 50,000 रुपये में पेपर उपलब्ध कराया जा रहा है। बाद में अलग अलग जांचों और मीडिया रिपोर्टों में इससे भी बड़े दावों की चर्चा हुई। कुछ जगहों पर कथित तौर पर 10 लाख से 25 लाख रुपये तक में प्रश्नपत्र बेचे जाने की बात सामने आई। बिहार पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों से 30 लाख से 50 लाख रुपये तक लिए गए। यह पूरा मामला केवल एक परीक्षा का विवाद नहीं रहा, बल्कि इसने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों की इतनी कड़ी जांच होती है तो फिर प्रश्नपत्र लीक कैसे हो जाता है। परीक्षा देने पहुंचे छात्र को कई स्तरों की जांच से गुजरना पड़ता है। प्रवेश पत्र की जांच होती है। पहचान पत्र मिलाया जाता है। बायोमेट्रिक सत्यापन होता है। मेटल डिटेक्टर से जांच होती है। जूते तक उतरवाए जाते हैं। लड़कियों के हेयर क्लिप और लड़कों की बेल्ट तक जांची जाती है। कई जगहों पर पानी की बोतल तक पारदर्शी रखने की शर्त होती है। छात्रों को घड़ी, मोबाइल, ब्लूटूथ, पेन ड्राइव जैसी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं होती। इतनी सख्ती के बाद भी यदि पेपर लीक हो जाता है तो इसका अर्थ साफ है कि समस्या परीक्षा केंद्र के बाहर कम और व्यवस्था के भीतर ज्यादा है। असली कमजोरी वहां है जहां प्रश्नपत्र तैयार होता है, छपता है, पैक होता है, भेजा जाता है और परीक्षा शुरू होने तक सुरक्षित रखा जाता है।

एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया बहुत लंबी होती है। सबसे पहले विशेषज्ञों की टीम प्रश्न तैयार करती है। फिर उनका चयन और संपादन होता है। उसके बाद अंतिम प्रश्नपत्र तैयार किया जाता है। फिर उसे गोपनीय तरीके से छपाई केंद्र तक भेजा जाता है। वहां प्रिंटिंग होती है। इसके बाद पैकेजिंग और सीलिंग होती है। फिर अलग अलग राज्यों और जिलों तक ट्रांसपोर्ट के जरिए पहुंचाया जाता है। परीक्षा केंद्रों में इन्हें मजबूत कमरों में रखा जाता है। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सील खोली जाती है। यही पूरी यात्रा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। इस दौरान यदि किसी एक चरण में भी मिलीभगत हो जाए तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था बेकार हो जाती है। समस्या यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। प्रश्नपत्र बनाने वाले विशेषज्ञ, तकनीकी कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट एजेंसियां, प्रशासनिक अधिकारी, केंद्र अधीक्षक, गोदाम कर्मचारी और कई अन्य लोग। जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, उतना अधिक रिसाव का खतरा रहेगा।

नीट मामले में अलग अलग प्रकार के दावे सामने आए। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि परीक्षा से पहले कुछ कोचिंग संस्थानों द्वारा बांटे गए प्रश्नों का बड़ा हिस्सा असली पेपर से मेल खा रहा था। कुछ जगहों पर टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया समूहों में प्रश्नपत्र बिकने की चर्चा हुई। कुछ गिरफ्तारियों में ऐसे लोगों का नाम सामने आया जो खुद छात्र थे या काउंसलिंग से जुड़े काम करते थे। बिहार और अन्य राज्यों में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में जांच केंद्रीय एजेंसी तक पहुंची। इस पूरे विवाद में एक और बात ने छात्रों को परेशान किया। लाखों छात्रों के बीच अचानक असामान्य रूप से अधिक टॉपर सामने आए। कुछ छात्रों को 718 और 719 जैसे अंक मिले, जिसने लोगों को हैरान कर दिया क्योंकि परीक्षा के अंकन पैटर्न में ऐसे अंक सामान्य रूप से संभव नहीं माने जाते। बाद में ग्रेस मार्क्स को लेकर भी विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा। अदालत ने परीक्षा की पवित्रता पर सवाल उठाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जवाब मांगा। हालांकि बाद में अदालत ने यह भी कहा कि पूरे देश में बड़े स्तर पर लीक के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले।

लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे लीक सीमित स्तर पर हुआ हो या बड़े स्तर पर, भरोसा एक बार टूट जाए तो उसे वापस बनाना बहुत कठिन होता है। लाखों छात्र यह सोचने लगते हैं कि उनकी मेहनत कहीं किसी पैसे वाले या प्रभावशाली व्यक्ति के सामने कमजोर तो नहीं पड़ जाएगी। यही डर सबसे बड़ी क्षति है। पेपर लीक का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल नहीं होता। कई बार पूरा गिरोह सक्रिय होता है। कुछ लोग छात्रों तक पहुंचते हैं। कुछ लोग प्रश्नपत्र के स्रोत तक पहुंचते हैं। कुछ पैसे का लेनदेन संभालते हैं। कुछ डिजिटल माध्यमों से प्रश्न फैलाते हैं। कई मामलों में नकली पेपर बेचकर भी ठगी की जाती है। परीक्षा से पहले छात्रों और अभिभावकों की बेचैनी का फायदा उठाया जाता है।

यह भी सच है कि भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव बहुत अधिक है। एक एक सीट के लिए सैकड़ों छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं। नीट जैसी परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्र बैठते हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटें बहुत सीमित हैं। ऐसे माहौल में कुछ लोग गलत रास्ता अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब सफलता और असफलता के बीच बहुत बड़ा अंतर हो, तब भ्रष्ट नेटवर्क तेजी से पनपते हैं। सरकारें और परीक्षा एजेंसियां लगातार नई सुरक्षा तकनीकें लाती रही हैं। एन्क्रिप्टेड डिजिटल ट्रांसमिशन, मजबूत पैकेजिंग, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन और लाइव मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। लेकिन फिर भी समस्या खत्म नहीं हो रही। इसका कारण यह है कि तकनीक केवल उपकरण है। यदि व्यवस्था में शामिल लोग ईमानदार नहीं हों तो सबसे मजबूत तकनीक भी असफल हो सकती है।

विशेषज्ञ अब कई नए सुझाव दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र को परीक्षा से केवल कुछ घंटे पहले डिजिटल रूप से केंद्रों तक भेजा जाए। अंतिम समय पर स्थानीय स्तर पर प्रिंटिंग हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जाए। हर चरण का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाए। प्रश्नपत्र तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या बेहद सीमित हो। कुछ लोग यह भी मांग कर रहे हैं कि इतनी बड़ी परीक्षाओं का ढांचा बदला जाए। वर्ष में कई बार परीक्षा हो। कंप्यूटर आधारित परीक्षा बढ़ाई जाए। प्रश्न बैंक बहुत बड़ा बनाया जाए ताकि हर छात्र को अलग क्रम में प्रश्न मिलें। इससे लीक की संभावना कम हो सकती है। हालांकि भारत जैसे विशाल देश में यह करना आसान नहीं है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी डिजिटल ढांचा कमजोर है।

पेपर लीक का सबसे दुखद प्रभाव मानसिक स्तर पर पड़ता है। लाखों छात्र दिन रात मेहनत करते हैं। कई परिवार अपनी जमा पूंजी कोचिंग और पढ़ाई पर खर्च कर देते हैं। बच्चे सामाजिक जीवन छोड़कर केवल पढ़ाई में लग जाते हैं। ऐसे में जब उन्हें पता चलता है कि कोई व्यक्ति पैसे देकर पेपर खरीद सकता है तो उनके भीतर गहरी निराशा पैदा होती है। कई छात्रों को लगता है कि ईमानदारी से मेहनत करने का क्या फायदा जब व्यवस्था ही कमजोर हो। यह समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में अलग अलग राज्यों की भर्ती परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे युवाओं में गुस्सा बढ़ा है। बेरोजगारी के बीच परीक्षाओं का रद्द होना और फिर दोबारा परीक्षा होना छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक बोझ डालता है। सच्चाई यह है कि पेपर लीक केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि नैतिक विफलता भी है। जब तक व्यवस्था में शामिल लोगों को यह डर नहीं होगा कि पकड़े जाने पर कठोर और त्वरित सजा मिलेगी, तब तक यह समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। कई मामलों में जांच वर्षों तक चलती रहती है और दोषियों को जल्दी सजा नहीं मिलती। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है।

आज जरूरत केवल नई तकनीक की नहीं है, बल्कि भरोसा बहाल करने की है। परीक्षा एजेंसियों को पारदर्शी होना होगा। छात्रों से सच छिपाने के बजाय स्पष्ट जानकारी देनी होगी। शिकायतों की निष्पक्ष जांच करनी होगी। हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी। एक ईमानदार छात्र के लिए सबसे बड़ी ताकत यह विश्वास होता है कि उसकी मेहनत का सही मूल्यांकन होगा। यदि यही भरोसा टूट गया तो देश की पूरी प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था संकट में पड़ जाएगी। इसलिए पेपर लीक को केवल अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य पर हमला मानकर देखना होगा। तभी शायद वह दिन आएगा जब परीक्षा केंद्र के बाहर खड़ा छात्र यह महसूस कर सकेगा कि उसकी मेहनत सचमुच सुरक्षित है। **महेन्द्र तिवारी**

# ट्रंप और मोदी की विदेश यात्राओं के दूरगामी मायने

दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तीन दिवसीय चीन यात्रा और दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई तथा यूरोप के पाँच देशों की विदेश यात्राओं पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और बदलते आर्थिक समीकरणों के इस दौर में इन यात्राओं को केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम मानना भूल होगी। वास्तव में ये यात्राएँ आने वाले समय की वैश्विक राजनीति, व्यापार और आर्थिक संतुलन की नई दिशा तय कर सकती हैं। ईरान युद्ध के बाद अमेरिका की वैश्विक साख को जो धक्का लगा है, उसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पिछले कई वर्षों से व्यापारिक वर्चस्व को लेकर अमेरिका और चीन के बीच चली आ रही तनातनी ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे में यदि दोनों देशों के बीच किसी बड़े व्यापारिक समझौते की शुरुआत होती है, तो उसका असर वैश्विक बाजारों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर निश्चित रूप से दिखाई देगा। दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ यदि अपने संबंधों में नरमी लाती हैं, तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

दूसरी ओर, ईरान-अमेरिका संघर्ष के कारण पैदा हुए तेल और गैस संकट तथा उससे बढ़ती महंगाई के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई और यूरोपीय देशों की यात्रा भारत सहित दुनिया के लिए नई उम्मीद बनकर उभरी है। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन चुका है और यही कारण है कि सभी बड़े देश भारत के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और वैकल्पिक संसाधनों की दिशा में महत्वपूर्ण परिणाम दे सकती है। संभावना जताई जा रही है कि अमेरिका और चीन तेल तथा गैस व्यापार को लेकर नए समझौते कर वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ओमान से भारत तक संभावित तेल गैस पाइपलाइन, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों तथा यूरोपीय देशों के साथ तकनीकी और आर्थिक साझेदारी को लेकर ठोस पहल कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो भारत को ऊर्जा संकट से राहत मिलने के साथ-साथ वैश्विक बाजार में भी स्थिरता आएगी।

राजनीतिक दृष्टि से भले ही अमेरिका और चीन एक-दूसरे के विरोधी दिखाई देते हों, लेकिन व्यापारिक दृष्टि से दोनों देशों ने हमेशा अपने हितों को सर्वोपरि रखा है। विश्व राजनीति का यह कठोर सत्य है कि बड़ी शक्तियाँ अपने आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए छोटे देशों का उपयोग करने से भी नहीं हिचकतीं। पाकिस्तान, श्रीलंका और नेपाल जैसे देशों की आर्थिक चुनौतियों तथा राजनीतिक अस्थिरता में बाहरी हस्तक्षेप की भूमिका समय-समय पर चर्चा का विषय रही है। एशिया में लगातार हो रहे राजनीतिक बदलावों और सत्ता विरोधी आंदोलनों के बीच भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण केंद्र में मजबूत नेतृत्व, स्थिर शासन और आर्थिक सुधारों की निरंतरता है। वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में, जहाँ कई बड़ी महाशक्तियाँ कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं, वहीं भारत तेजी से आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्टवादिता, निर्णायक नेतृत्व और वैश्विक मंचों पर सक्रिय भूमिका ने भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नई मजबूती प्रदान की है। यही कारण है कि आज दुनिया जितनी उम्मीद अमेरिका और चीन से रखती है, उतनी ही अपेक्षाएँ भारत और उसके नेतृत्व से भी जुड़ने लगी हैं। इसलिए अमेरिका, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की ये विदेश यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण घटनाएँ बन गई हैं। **अरविंद रावल**

# गर्मी में योग: स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी–मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है। गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं। विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं।

योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

**अंततः** कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है। **कांतिलाल मांडोत**

## कविता

**संजीव-नी।**

विदा हो गई गई
वो सादगी
मिट्टी की सौंधी खुशबू में
चुपचाप मुस्कुरा लिया करती,

जहाँ छोटे-छोटे पल
बरगद की छाँव में
ठंडी सांस लेते
बिना किसी मोह के
होते एक-दूसरे के
सुख-दुःख के भागी ।

अब रिश्तों के आंगन में
धूल सी दिखाई देती ,
भोलापन किस पगडंडी पर
थका हुआ बैठ गया ।

पहले आँखों में अपनापन
बातों में झरनों जैसी निर्मलता,
हृदय में दीपक-सी पावन आंच।

अब मुस्कानों के पीछे
लालच की परछाइयाँ
परिदृश्य में धीरे-धीरे झिलमिलातीं।

कुटिलता के महीन वस्त्र
सच को दिखाई नहीं देते
उसे पहचान नहीं पाता।
पर कहीं न कहीं

ममता की छोटी लौ
अब भी होगी,
माँ की प्रार्थना में,

बच्चे की निर्दोष हँसी में,
किसी वृद्ध बरगद की
घनी,शांत छाया में।
वही बचा सकेगी
शिथिल पलों को,
फिर लौट आएँगे

सादगी के वे नम पंख,
जो कभी मनुष्य को
मनुष्य बनाना जानते ।
संजीव ठाकुर

**संजीव ठाकुर**

## कविता

### विश्व परिवार दिवस पर कविता

**परिवार है अनमोल खजाना**

न छत चाहिए महलों जैसी,
न दौलत का अंबार चाहिए,
माँ की ममता, पिता का साया,
बस ये परिवार चाहिए।
दादा-दादी की कहानियों में,
बचपन फिर से जी लेते हैं,
भाई-बहन की नोक-झोंक में, सारे गम पी लेते हैं।

सुख में हँसते सब मिल-जुलकर,
दुख में सबकी आँख नम हो, एक थाली में खाते सब जब,
तो हर निवाला हमदम हो।

मोबाइल में उलझी दुनिया में,
कुछ पल अपनों के नाम करो,
15 मई का दिन है आया,
परिवार को सलाम करो।

क्योंकि परिवार ही वो मंदिर है,
जहाँ रिश्ते भगवान होते हैं,
खून के नहीं, दिल के रिश्ते से,
यहाँ इंसान महान होते हैं।

**डॉ. विवेकानंद उपाध्याय**

# राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे ‘विफलता’ नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि ‘देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं’ वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है।

जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी ‘विफल प्रधानमंत्री’ कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा। **कांतिलाल मांडोत**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

# संक्षिप्त खबरें

## एल्पिस ग्लोबल स्कूल का सीबीएसई कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम शानदार

**बिसवां/सीतापुर-** नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान Elpis Global School ने सीबीएसई कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा में एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा जगत में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं नगर का नाम गौरवान्वित किया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल छा गया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। विद्यालय प्रबंधन समिति, निदेशक, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं में विभूति वर्मा ने 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं उम्मे हानी ने 94.20 प्रतिशत तथा भाव्या अग्रवाल ने 93.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अन्य प्रमुख विद्यार्थियों में अनमोल वर्मा ने 93.20 प्रतिशत, आकृति अग्रवाल ने 92.60 प्रतिशत, कशिश खेतान एवं रेहान अंसारी ने 92.40 प्रतिशत, शौनक शुक्ला ने 91.00 प्रतिशत, श्रेयांश अवस्थी ने 90.80 प्रतिशत, रोहन राज एवं अविनाश वर्मा ने 90.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी क्रम में दैविक रस्तोगी ने 89.00 प्रतिशत, आयुषी शर्मा ने 88.80 प्रतिशत, स्तुति अग्रवाल ने 88.60 प्रतिशत, सक्षम अग्रवाल ने 88.00 प्रतिशत, माही अग्रवाल एवं आत्यंतिक रस्तोगी ने 87.20 प्रतिशत, मोहम्मद हसन बदर, महक दीप कौर एवं अक्षत वर्मा ने 87.00 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके अतिरिक्त कौस्तुभ द्विवेदी ने 86.60 प्रतिशत, अल्तमश ने 86.20 प्रतिशत, आयुषी त्रिवेदी ने 85.80 प्रतिशत, अनमोल वर्मा ने 85.40 प्रतिशत तथा पियूष मिश्रा ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। विद्यालय के निदेशक एवं प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा ताकि छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

## जयपुरिया स्कूल महमूदाबाद का सीबीएसई रिजल्ट रहा शत-प्रतिशत, विराज रस्तोगी बने टॉपर

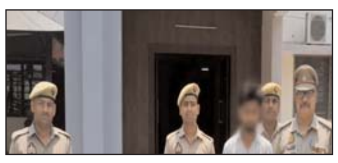

**महमूदाबाद-** सीतापुर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (CBSE) द्वारा घोषित कक्षा 12 के परीक्षा परिणाम में सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल, महमूदाबाद का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय से कुल 22 विद्यार्थियों ने कक्षा 12 की परीक्षा में प्रतिभाग किया था, जिसमें सभी छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए। परीक्षा में विराज रस्तोगी ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आस्था यादव ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि धैर्य रस्तोगी 90.2 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। साइंस वर्ग में कुल 14 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें लगभग सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। साइंस वर्ग में दिव्यांश पोरवाल ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का मान-सम्मान बढ़ाया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, डायरेक्टर आशीष गुप्ता एवं प्रिंसिपल विजय कुमार दुबे ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## प्राथमिक शिक्षक संघ चुनाव में धीरेंद्र पटेल बने अध्यक्ष

**बिसवां (सीतापुर)।** सकरन के ब्लॉक संसाधन केंद्र में बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के मुकाबले में धीरेंद्र पटेल ने शिव सिंह को 259 मतों के बड़े अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की। मतगणना में प्राथमिक विद्यालय मनकौड़ा के शिक्षक धीरेंद्र पटेल को 416 मत मिले, जबकि कम्पोजिट विद्यालय रतनापुर के शिव सिंह को 157 मत प्राप्त हुए। दो मत अवैध पाए गए। कुल 609 मतदाताओं में से 575 शिक्षकों ने मतदान किया। जीत के बाद समर्थकों ने मिठाई खिलाकर खुशी जताई। नव निर्वाचित अध्यक्ष धीरेंद्र पटेल ने कहा कि वह शिक्षकों की समस्याओं के समाधान एवं उनके सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

# अब यूपी के किलों और हेरिटेज साइट्स पर होगी 'डेस्टिनेशन वेडिंग', पर्यटकों को ठहरने में मिलेगी 25 प्रतिशत की छूट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** वैश्विक अनिश्चितताओं के मौजूदा दौर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में बुधवार को पर्यटन निदेशालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक हुई। मीटिंग में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को 'आपदा में अवसर' बताते हुए पर्यटन क्षेत्र को नई संभावनाओं से जोड़ने पर बल दिया। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में राज्य के हेरिटेज स्थलों, ईको साइट्स, किलों समेत अन्य स्थलों को डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में बढ़ावा देने तथा 'विजिट माई स्टेट' अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'पर्यटन विभाग 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से काम करेगा। उन्होंने 'विजिट माय स्टेट' अभियान के तहत संग्रहालयों में आगामी दो माह तक निःशुल्क प्रवेश सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, वाराणसी, आगरा, मथुरा, लखनऊ, प्रयागराज, मिर्जापुर और अयोध्या जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के लिए आकर्षक और अनुभवपरक टूर पैकेज तैयार करने हेतु टूर ऑपरेटर्स के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए।'

**सरकारी वाहनों का न्यूनतम उपयोग**

पर्यटन मंत्री ने कहा, 'प्रदेश सरकार प्रशासनिक कार्यों में मितव्ययिता, संसाधनों के समुचित उपयोग और बेहतर समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में अधिकारियों को सरकारी वाहनों के उपयोग को न्यूनतम रखने, आपसी समन्वय स्थापित कर एक ही वाहन से कार्यालय आने तथा विभागीय फ्लीट में शामिल गाड़ियों की संख्या कम करने के निर्देश दिए गए हैं।'

**राही पर्यटक आवास में ठहरने पर दें छूट**

मंत्री जयवीर सिंह ने पर्यटन विभाग द्वारा संचालित राही पर्यटक आवासों में पर्यटकों को 25 प्रतिशत तक की रियायत प्रदान कर घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी विदेश यात्राओं के बजाय उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों का भ्रमण करें। साथ ही, पर्यटकों को गोशालाओं, प्राचीन मंदिरों एवं प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने हेतु विशेष पर्यटन व्यवस्थाएं विकसित किए जाने पर भी जोर दिया गया, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ग्रामीण और सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई गति मिल सके। साथ ही, पर्यटन महानिदेशक को निर्देश दिए कि वे रेस्टोरेंट एसोसिएशन से समन्वय स्थापित कर पर्यटकों को भोजन एवं अन्य सेवाओं पर विशेष छूट उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर कार्य करें।

**डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए स्थानीय स्थलों का हो चयन**

पर्यटन मंत्री ने स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कि नागरिक, वेडिंग प्लानर एवं आयोजनकर्ता डेस्टिनेशन वेडिंग सहित अन्य पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए प्रदेश के भीतर उपलब्ध विरासत स्थलों को प्राथमिकता दें। उन्होंने पर्यटन विभाग को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के हेरिटेज स्थल, प्राचीन किले, ईको टूरिज्म साइट्स और सांस्कृतिक परिसर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। मंत्री ने मिर्जापुर स्थित ऐतिहासिक चुनार किला एवं राजधानी लखनऊ की छतर मंजिल को शीघ्र तैयार करने के भी निर्देश दिए।

**बिना अनुमति निदेशालय आने से बचें- अपर मुख्य सचिव**

बैठक में अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित, अनुशासित और प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि 'विभिन्न जनपदों के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना निदेशालय आने से बचें। आवश्यक बैठकों एवं समन्वय कार्यों के लिए वर्चुअल माध्यमों का अधिकतम उपयोग करें। उन्होंने ये भी कहा कि इस व्यवस्था से समय और संसाधनों की बचत के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।' बैठक में महानिदेशक पर्यटन वेदपति मिश्रा, निदेशक पर्यटन (इको टूरिज्म) पुष्प कुमार के0, यूपीएसटीडीसी एमडी आशीष कुमार सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले नई सड़कें-पुल और पुलियों का होगा निर्माण

**●पीडब्ल्यूडी ने जिलों से 25 मई तक मांगे प्रस्ताव**

**लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) आगामी विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश में 36 हजार करोड़ रुपये की नई सड़क, पुल और पुलिया परियोजनाओं को शुरू करने की तैयारी में है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** अगले वर्ष होने वाले विधान सभा चुनाव को देखते हुए लोक निर्माण विभाग इस वर्ष नई सड़कें, पुल व पुलियों के निर्माण कार्यों को जल्द शुरू करा देने की तैयारी में है। इस साल शुरु किए जाने वाले नए निर्माण कार्यों की कार्ययोजना हर हाल में 25 मई तक भेज देने के निर्देश जिलों को दिए गए हैं। जिलों की कार्ययोजना से लगभग 36 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत करते हुए समस्त कार्य अगस्त तक शुरू करा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में लोक निर्माण विभाग को निर्माण कार्यों के लिए 35,156 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिसमें से एक तिहाई बजट 11,718 करोड़ रुपये से नए निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इस बजट के सापेक्ष शासन स्तर से लगभग 36 हजार करोड़ रुपये के नए निर्माण कार्यों को स्वीकृत किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी के विभागाध्यक्ष एके द्विवेदी ने बताया है कि 47 जिलों के जिलाधिकारियों ने बैठक कर जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को शामिल करते हुए अपनी कार्ययोजना भेज दी है। बचे हुए जिलों को हर हाल में 25 मई तक कार्ययोजना भेज देने का निर्देश दिया गया है। सभी जिलों की कार्यजोना मिल जाने पर इस साल कराए जाने वाले कार्यों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि चालू निर्माण कार्यों को गति देने के लिए इस महीने 6200 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, इसी महीने और 1800 करोड़ रुपये चालू कार्यों के लिए दिए जाएंगे। 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 18 परियोजनाओं का शिलान्यास भी जल्द कराए जाने की तैयारी की जा रही है।

## मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमूदाबाद-** सीतापुर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत कोतवाली महमूदाबाद पुलिस द्वारा नगर के विभिन्न सार्वजनिक एवं हॉटस्पॉट क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा एवं सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अभियान के दौरान हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 181, 112, 108 एवं 102 आदि के बारे में विस्तार से बताया गया तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। यह जागरूकता अभियान रमकुंडा चौराहा, संकटा देवी धाम, ट्रेंड्स मॉल, पंजाब नेशनल बैंक, बजाज चौराहा, चिक मंडी, रेलवे स्टेशन एवं सिंधौली क्रॉसिंग सहित विभिन्न हॉटस्पॉट स्थानों पर चलाया गया। इस दौरान स्कूलों से आने-जाने वाली छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य बताते हुए उन्हें महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के प्रति प्रेरित किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और सशक्त नारी बनने का संदेश भी दिया गया। अभियान में महिला आरक्षी कविता शर्मा, महिला आरक्षी काजल सक्सेना, महिला आरक्षी अंजली, महिला आरक्षी प्रियंका एवं महिला आरक्षी रचना मौजूद रहीं।

## तेज आंधी से शिव-पार्वती मंदिर क्षतिग्रस्त तीन शेड गिरने से मंदिर को हुआ नुकसान, बड़ा हादसा टला

**रामकोट (सीतापुर)-** दिन में आई तेज आंधी और खराब मौसम के चलते ग्राम शुल्तानपुर, पोस्ट रामकोट, जिला सीतापुर स्थित प्राचीन शिव-पार्वती मंदिर के तीन शेड अचानक गिर गए, जिससे मंदिर परिसर क्षतिग्रस्त हो गया।मंदिर के पुजारी श्री राधा कृष्ण अवस्थी ने बताया कि घटना के समय मंदिर परिसर में कोई श्रद्धालु मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। शेड गिरने से मंदिर परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।स्थानीय लोगों के अनुसार तेज हवा और बारिश के कारण शेड कमजोर होकर गिर पड़े। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन मंदिर को काफी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मंदिर की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने इसे भगवान शिव की कृपा बताते हुए कहा कि 'गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई!

# राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रतीक यादव को बताया समझदार

**● सुलझा हुआ और विवादों से दूर रहने वाला इंसान, निधन पर स्तब्ध**

**मुलायम सिंह यादव जी के सगे बेटे नहीं थे प्रतीक यादव, लेकिन नेता जी उनको अपने सगे बेटे से कम नहीं मानते थे**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की बुधवार को संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत पर उनको जानने वाले स्तब्ध हैं। प्रतीक यादव के नजदीकी रिश्तेदार और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपनी शोक संवेदना सोशल मीडिया पर पोस्ट की। बिहार विधानसभा में राघोपुर से विधायक तेजस्वी यादव ने प्रतीक यादव को एक सुलझा हुआ इंसान बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि प्रतीक यादव अपनी अलग पहचान बनाना चाहता था। बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव की बहन राज लक्ष्मी यादव से अखिलेश यादव के चचेरे भाई तेज प्रताप सिंह यादव तेजू का 2015 में विवाह हुआ था। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सबसे छोटी बेटी राज लक्ष्मी यादव से विवाह करने वाले तेज प्रताप मैनपुरी के करहल से विधायक हैं। तेजस्वी यादव ने मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के निधन पर बेहद दुख जताने के साथ लिखा कि प्रतीक यादव ने हमेशा कहा कि अखिलेश तो बड़े भाई हैं। राजनीति वही करेंगे, मुझे उसमें कोई बंटवारा नहीं चाहिए। आज नेताजी मुलायम सिंह यादव जी के दूसरी पत्नी साधना गुप्ता जी के बेटे प्रतीक यादव अचानक इस दुनिया को छोड़कर चले गए, ये खबर भीतर तक तोड़ देने वाली है। देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद उन्होंने खुद को राजनीति की चकाचौंध से दूर रखा। राष्ट्रीय जनता दल की कमान संभालने वाले तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रतीक ने राजनीति से दूर रहकर फिटनेस, प्रकृति और शांत जीवन को चुना। 38 वर्ष की उम्र में इतना फिट और अनुशासित इंसान यूं अचानक चला जाएगा, यकीन करना मुश्किल है। उनकी बातों में कभी लालच नहीं दिखा, न सत्ता की भूख, न विरासत की लड़ाई... बस एक सुलझा हुआ इंसान, जो अपनी अलग पहचान बनाना चाहता था। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दें। मुलायम सिंह यादव जी के सगे बेटे नहीं थे प्रतीक यादव, लेकिन नेता जी उनको अपने सगे बेटे से कम नहीं मानते थे। अखिलेश यादव जी के सगे भाई नहीं थे प्रतीक यादव लेकिन अखिलेश जी उनको अपने सगे भाई की तरह मानते थे। कुछ भी लेकिन अपने तो अपने होते हैं और अपनों को जाने का दुःख कोई दूसरा नहीं समझ सकता।

## लखनऊ में सैलून मैनेजर की आत्महत्या के मामले में पांच नामजद समेत अज्ञात पर मुकदमा

**● फंदे से लटककर दी थी जान**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** शहीद पथ के शालीमार वन वर्ड में सोमवार रात निजी सैलून मैनेजर की आत्महत्या के मामले में बुधवार को पिता की तहरीर पर पांच नामजद समेत अज्ञात पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज हुआ है। गोमती नगर विस्तार थाने की पुलिस तहरीर और आत्महत्या के पहले बनाए गए वीडियो, मृतका के मोबाइल फोन और इंटरनेट मीडिया अकाउंट की मदद से मामले की जांच कर रही है। गोरखपुर के कैंट स्थित बिछिया गांव निवासी 32 वर्षीय रतना सिंह शहीद पथ के शालीमार वन वर्ड टावर सी-1 के फ्लैट 804 में रहती थी। सोमवार रात 2:30 बजे रतना के एक परिचित ने पुलिस को सूचना दी की उन्होने अपने फ्लैट में फंदे से लटककर जान दे दी है। रतना निजी सैलून की मैनेजर थी। देर रात उन्होंने रोते हुए अपनी एक सहेली को फोन किया और कहा कि वह आत्महत्या करने जा रही हैं। सहेली ने रतना के एक परिचित को फोन कर पूरी बात बताई। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को छत पर लगे पंखे में दुपट्टे के फंदे से नीचे उतारा। घटना के पहले रतना ने 25 सेकंड का एक वीडियो भी बनाया था। पिता सुधीर कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि वीडियो में बेटी ने विरासत कंपनी में साथ करने वाले शरद सिंह, शरद की पत्नी पल्लवी जोशी, मंगल यादव, वैशाली और प्रशांत वर्मा समेत अज्ञात पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। इसके बारे में बेटी ने उन्हें पहले बताया भी था लेकिन उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने कहा कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की भूमिका पता लगाई जा रही है।

## आशुतोष बृजमोहन लाल मेमोरियल कॉलेज का इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम शानदार, श्रीयुत गुप्त ने किया टॉप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमूदाबाद (सीतापुर)।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में क्षेत्र के आशुतोष बृजमोहन लाल मेमोरियल कॉलेज का प्रदर्शन शानदार रहा। विद्यालय के छात्र श्रीयुत गुप्त ने 91.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन की सीबीएसई शाखा आशुतोष बृजमोहन लाल मेमोरियल कॉलेज की टॉप-टेन सूची में आस्था पटेल ने 90.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अब्दुल्ला अंसारी 90.20 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा आंचल वर्मा ने 88.80 प्रतिशत, वैभव राज वर्मा ने 88.40 प्रतिशत, अंशराज वर्मा ने 88.00 प्रतिशत, आर्यन वर्मा ने 87.60 प्रतिशत, नैंसी पोरवाल ने 86.20 प्रतिशत, प्रांजुल वर्मा ने 85.80 प्रतिशत तथा अदिति वर्मा ने 85.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों की इस सफलता पर संस्था के चेयरमैन आरके वाजपेयी, डिप्टी मैनेजर आंजनेय आशीष, वागीश दिनकर, क्वार्डिनेटर ऋतुजा वाजपेयी, उप प्रधानाचार्य रवि शुक्ल, मनोज गुप्त सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने खुशी व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

## तेज आंधी से पेड़ गिरने से दो मकान, एक कार क्षतिग्रस्त

**सिद्धार्थनगर।** विकास खंड भनवापुर के बुढ़ऊ में बुधवार को आई तेज आंधी में पेड़ गिरने से दो मकान सहित एक कार क्षतिग्रस्त हो गया।बुढ़ऊ निवासी राजकुमार पुत्र देवनाथ के मकान के बगल में स्थिति पेड़ तेज आंधी में टूट कर गिर गया ।जिससे राजकुमार के घर का छज्जा टूट कर गिर गया और बगल के अमित श्रीवास्तव के घर व बाउंड्री सहित खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई।

## रिजल्ट ने छीनी बेटे की मुस्कान, CBSE 12वीं में हुआ फेल; कमरे में फांसी लगाकर दे दी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से एक छात्र की आत्महत्या की दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां के कछवां कोतवाली क्षेत्र में सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम के बाद छात्र इतना गमगीन हो गया कि उसने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठा लिया. इस कदम से एक हंसते खेलते परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं परिजनों ने शव का पंचनामा करने के बाद शव वापस सौंप की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मामला कछवां कोतवाली के भैसा गांव का है। वीकेएस स्कूल में पढ़ने वाला छात्र शिवांश चौबे बुधवार को सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट की रिजल्ट आने पर घर से निकलकर रिजल्ट देखने गया।

फेल होने पर चुपचाप घर वापस आ गया. एक कमरे में गया और अंदर से कमरा बंद कर लिया बेडशीट का फंदा बनाकर पंखे के हुक से फंदा लगाकर झूल गया. मां कमरे के पास गई और बोली बेटा रिजल्ट देखें कि नहीं देखें, कोई आवाज नहीं आने पर कमरे के पास गई तो देखा दरवाजा अंदर से बंद था।

**पंखे से लगाई फांसी**

मां ने जब खिड़की से देखा तो उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई. बेटा फांसी के फंदे से लटका हुआ था. मां इस हालत में बेटे को देखकर दहाड़े मारकर कमरे के पास रोने लगी. परिजनों ने पहुंचकर दरवाजे को तोड़कर छात्र को नजदीकी अस्पताल क्रिश्चियन ले गए, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया।

**घर का इकलौता बेटा था छात्र**

बताया जा रहा कछवां थाना क्षेत्र के भाई साहब गांव के रहने वाले अनुज चौबे का इकलौता बेटा शिवांश था जो वी के एस स्कूल में पढ़ता था.वही कछवां थाना प्रभारी अमरजीत चौहान ने बताया कि एक छात्रा ने सुसाइड किया है पंचनामा कारकर पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी की जा रही है, लेकिन परिजन चाहते हैं कि पंचनामा कर शव सौप दी जाए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## यूपी में फ्री सिविल सर्विस की तैयारी के लिए 18 मई से शुरू होगा आवेदन

**लखनऊ।** आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी युवाओं को प्रशासनिक सेवा की परीक्षा की तैयारी के लिए समाज कल्याण विभाग प्रोत्साहित करता रहा है। विभाग ने सत्र 2026-27 के लिए प्रदेश में संचालित आठ आवासीय निश्शुल्क आईएएस-पीसीएस परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्रों में प्रवेश के लिए सम्मिलित प्रवेश परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन 18 मई से 18 जून 2026 तक विभागीय वेबसाइटपर किए जा सकेंगे। प्रवेश पत्र 25 जून से डाउनलोड होंगे, जबकि सम्मिलित प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई को होगी। परीक्षा परिणाम 28 जुलाई तक घोषित होगा। वहीं नया शैक्षणिक सत्र एक अगस्त 2026 से शुरू किया जाएगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी एवं जिनके परिवार की वार्षिक आय छह लाख रुपये या उससे कम है, वो आवेदन कर सकते हैं। समाज कल्याण की प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को विषय विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा। उन्हें निश्शुल्क आवासीय सुविधा, भोजन, पुस्तकालय, आनलाइन और आफलाइन कक्षाएं, टेस्ट सीरीज और मुख्य परीक्षा के साथ ही इंटरव्यू के लिए विशेष सत्र की सुविधाएं दी जाएगी। हाल ही में घोषित परीक्षा में 44 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है।

## जल संरक्षण की नई क्रांति, 'एक जिला-एक नदी' अभियान से बदली छोटी नदियों की सूरत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 'एक जिला-एक उत्पाद' की वैश्विक सफलता के बाद अब 'एक जिला-एक नदी' अभियान के जरिए जल संरक्षण और पर्यावरण पुनरुद्धार की नई इबारत लिख रही है। इसके जरिए नदियों को साफ करने, विलुप्त हो चुकी जलधाराओं को पुनर्जीवित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया जा रहा है। स्वच्छ गंगा मिशन के तहत नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने कई विभागों के साथ मिलकर प्रदेशभर में छोटी नदियों के पुनरुद्धार के लिए परिवर्तनकारी पहल की है। पीलीभीत में 16 ग्राम पंचायतों में फैली 47 किलोमीटर के क्षेत्र में गोमती नदी का पुनरुद्धार किया गया। कई जगहों पर नहर को चौड़ा व गहरा किया गया। साथ ही 23 तालाबों का जीर्णोद्धार करने और घाटों के निर्माण के माध्यम से नदी ने अपना निरंतर प्रवाह फिर से प्राप्त कर लिया है। इससे 1,53,000 से अधिक मानव-दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जबकि 500 से अधिक किसानों ने प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाया। घाटों पर शाम की आरती और योग सत्रों ने गोमती को एक पवित्र और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पुनः स्थापित किया है। बुलंदशहर में 'वीबी-जी राम जी' के जरिए 29 किलोमीटर में नीम नदी का पुनरुद्धार किया गया। इसमें किसानों ने भी स्वेच्छा से सहयोग किया। इस पहल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में सराहना भी की थी। इसके साथ ही कारवान नदी और काली नदी का भी पुनरुद्धार किया गया, जहां दर्जनों ग्राम पंचायतों में गाद निकालने, पौधरोपण और सामुदायिक भागीदारी से घाटों पर सिंचाई, जैव विविधता और सांस्कृतिक प्रथाओं को बहाल किया गया।इसी तरह छोटे-छोटे नालों में बदल चुकी संभल की सोत नदी को जनभागीदारी से जीवनदान दिया गया। रामपुर में रेवती, नाहल और नीली, तीन मौसमी धाराओं को पुनर्जीवित किया गया। यहां नहरों की सफाई, रिचार्ज पिट (वर्षा जल संचयन), फिल्टर कक्ष और पौधरोपण से बड़ा बदलाव आया।

**पूरे प्रदेश में दिखेंगे बेहतर परिणाम**

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन परियोजना निदेशक जोगिन्द्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में छोटी नदियों के जीर्णोद्धार से शानदार परिणाम सामने आए हैं। ये नदियां जो कभी लगभग विलुप्त हो चुकी थीं, अपने वास्तविक रूप में लौट रही हैं। इससे बाढ़ नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। साथ ही सिंचाई के लिए जिलों में बेहतर जल धाराएं उपलब्ध हुई हैं। इन छोटी नदियों और जल संसाधनों को पुनर्जीवित एवं संरक्षित करने के लिए प्रशासनिक विभागों के साथ 'वीबी-जी राम जी' को भी जोड़ा गया। इससे रोजगार सृजन से ग्रामीण आजीविका मजबूत हुई। इन जलस्रोतों के जरिए किसानों को आस-पास के क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने में भी मदद मिल रही है। नदियों के पुनरुद्धार के साथ घाटों पर सांस्कृतिक परंपराओं का भी पुनर्जीवन हो रहा है। लगभग सभी जगहों पर अब दैनिक आरती और योग सत्र भी हो रहे हैं। सीएम योगी के विजन 'एक जिला-एक नदी कार्यक्रम' के बेहतरीन परिणाम जल्द ही पूरे उत्तर प्रदेश में देखने को मिलेंगे।

# संक्षिप्त खबरें

## सीएम योगी ने प्रतीक यादव को दी अंतिम श्रद्धांजलि, गुरुवार होगा अंतिम संस्कार

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के परिवार से जुड़ा एक दुखद समाचार सामने आया है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का बुधवार सुबह 38 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। KGMU में डॉक्टरों के पैनल ने उनका पोस्टमार्टम किया। प्रतीक यादव के निधन की खबर मिलते ही यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के समर्थकों में शोक की लहर है।

## नाबालिक बच्ची का अपहरण बिहार में रचाई शादी...

**आरे पुलिस ने आरोपी को बिहार से किया गिरफ्तार...**

**इंस्टाग्राम की दोस्ती बच्चों के लिए खतरा ,आरे पुलिस ने किया आव्हान...**

मुंबई पुलिस के आरे पुलिस थाने ने एक 17 वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण और फिर शादी के मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की तत्परता और तकनीकी जांच के चलते बच्ची को सुरक्षित बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया.. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरे पुलिस स्टेशन के अंतर्गत में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 20 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 2 बजे घर से लापता हो गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी बेटी सरिपूत नगर इलाके से पास के बीएमसी स्कूल में पुस्तक जमा करने जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी.. परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिलने पर आरे पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपनिरीक्षक सचिन पाचाळ और उनकी टीम ने तुरंत जांच शुरू की। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और तकनीकी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान बच्ची के मोबाइल नंबर और संबंधित कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की जांच की गई, जिसमें मोबाइल की लोकेशन दिल्ली में मिलने की जानकारी सामने आई। बाद आरे पुलिस की टीम तत्काल दिल्ली रवाना हुई। दिल्ली पुलिस की सहायता से एक किराना दुकान में काम करने वाले संदिग्ध युवक तक पुलिस पहुंची। पूछताछ में पता चला कि आरोपी मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला है और बच्ची को अपने साथ लेकर बिहार चला गया है। पुलिस टीम ने तुरंत बिहार के समस्तीपुर में दबिश दी। स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को हिरासत में लिया गया और बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पासवान (23 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोपी को मुंबई की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया। यह पूरी कार्रवाई पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

# बालेन सरकार को झटका, नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने छात्र राजनीति बैन करने के आदेश पर लगाई रोक

**● नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को सुप्रीम कोर्ट से कानूनी झटका लगा है। कोर्ट ने सिविल सर्विस ट्रेड यूनियनों और यूनिवर्सिटी छात्र संगठनों को भंग करने के उनके अध्यादेशों पर रोक लगा दी है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**दिल्ली।** नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को जबरदस्त कानूनी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शाह की सरकार के सिविल सर्विस ट्रेड यूनियनों और यूनिवर्सिटी में छात्र संगठनों को भंग करने के फैसलों पर रोक लगा दी है। इसे उन्होंने अध्यादेशों के जरिए लागू किया था।

सुप्रीम कोर्ट के ये दो आदेश ऐसे समय में आए जब कर्मचारी और छात्र संगठन सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इन उपायों का बचाव करते हुए कहा, 'स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में पार्टी के झंडों पर प्रतिबंध लगाने से छात्रों और कर्मचारियों के अधिकार नहीं छिनेंगे, बल्कि इससे उनकी पेशेवर स्वतंत्रताएं और मजबूत होंगी। '

**बालेन शाह का क्या था मकसद?**

उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद शिक्षा और नौकरशाही में पक्षपातपूर्ण प्रभाव को खत्म करना है, जहां छात्र और कर्मचारी संगठन राजनीतिक पार्टियों के स्लीपर सेल बन गए थे। उन्होंने आगे कहा कि तबादले और प्रमोशन प्रक्रिया, काबिलियत और काम के आधार पर होने चाहिए न कि पार्टी से जुड़ाव के आधार पर।

**बालेन के तर्क को छात्र नेताओं ने किया खारिज**

कर्मचारी और छात्र नेताओं ने इस तर्क को खारिज कर दिया। नेपाल सिविल सर्विस एम्प्लॉइज एसोसिएशन के चेयरमैन उत्तम कटवाल ने कहा कि रजिस्टर्ड ट्रेड यूनियनों को पार्टी-आधारित संगठन बताना गलत है। उन्होंने कहा, 'हम पार्टी-आधारित ट्रेड यूनियन नहीं हैं। हम सिविल सेवक हैं जो स्थायी सरकार के तौर पर काम करते हैं और हमने राज्य के नाम पर शपथ ली है।' छात्र नेताओं ने भी कहा कि सरकार को छात्र संगठनों को खत्म करने के बजाय कैंपस की राजनीति को रेगुलेट करना चाहिए।

## संदिग्ध हाल में दो माह की गर्भवती की मौत, तीन महीने पहले हुई थी शादी

**दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय नीलम के रूप में हुई है। तीन माह पहले ही शादी हुई थी। ससुराल पक्ष का दावा है कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जबकि मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कल्याणपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। नीलम मूल रूप से नोएडा के राहुल विहार, सेक्टर-62 की रहने वाली थी। करीब तीन महीने पहले उनकी शादी खिचड़ीपुर निवासी राहुल नाम के युवक से हुई थी। राहुल नगर निगम में अस्थायी कर्मचारी है। मृतका के भाई निशांत ने बताया कि नीलम दो महीने की गर्भवती थी। सोमवार रात को उनकी बहन से फोन पर बात हुई थी। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उन्होंने नीलम को फोन किया, लेकिन उठाया नहीं। इसके बाद युवक ने अपने जीजा राहुल को फोन किया तो उसने बताया कि वह ऑफिस में है और घर पर उसकी भाभी है। वह उन्हें कॉल करके बात कर ले। उसकी भाभी ने भी फोन नहीं उठाया। दोपहर डेढ़ बजे राहुल ने उन्हें फोन करके बताया कि नीलम चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी हुई है। नीलम के मायके पक्ष के लोग एलबीएस अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत हो गई। आरोप है राहुल व उसका परिवार दहेज के लिए नीलम को परेशान करते थे।

# 3 इडियट्स में होगा टाइम जंप?

**● आमिर की फिल्म के सीक्वल में लौटेगी ओजी गैंग**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हर किसी के मन में ये सवाल था कि 'सितारे जमीन पर' के अच्छे खासे सक्सेस के बाद अब बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान क्या करने वाले हैं। आमिर ने हाल ही में अपने बेटे जुनैद की फिल्म एक दिन को काफी सपोर्ट किया था, साथ ही अपना मिस्टर परफेक्शनिस्ट वाला जादू इस फिल्म को और भी बेहतर बनाने में चलाने की कोशिश की थी। लेकिन आमिर खुद के लिए अब क्या करने वाले हैं, इस बारे में फिलहाल कोई खास जानकारी सामने नहीं आ रही थी। इसी बीच खबर आई कि आमिर अपने दोस्त और डायरेक्टर राजकुमार हिरानी के साथ मिलकर साल 2009 में आई सुपरहिट फिल्म 'थ्री इडियट्स' का सीक्वल बनाने जा रहे हैं. हालांकि, अभी मेकर्स की तरफ से कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर की मानें तो ये बात कन्फर्म है।

**फिल्म में होगा टाइम जंप**

HT की इस रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर ने फिल्म पर काम करना शुरू कर दिया है. राजू के साथ मिलकर वो स्टोरी पर काम कर रहे हैं और इसे और रिफाइन किया जा रहा है. फिल्म के बाकी दोनों सितारे यानी आर. माधवन और शरमन जोशी भी सालों बाद फिर से फिल्म में वापसी कर सकते हैं. इसके साथ ही फिल्म में एक टाइम जंप दिखाया जा सकता है. अब ये टाइम जंप फिल्म की 2009 वाली घटनाओं के पहले का होगा या फिर बाद का, इसपर जानकारी नहीं है।

**लौटेगी ओजी स्टारकास्ट**

कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा था कि फिल्म के सीक्वल को 4 इडियट्स नाम दिया जा सकता है, जहां छावा फेम एक्टर विकी कौशल भी कास्ट को ज्वाइन कर सकते हैं. हालांकि इस बात की भी कोई पुष्टी नहीं की गई है. राजू के साथ पर्दे पर आमिर ने जब भी काम किया है, तब-तब उन्हें फायदा हुआ है. राजू हिरानी के साथ एक्टर ने थ्री इडियट्स और पीकू में काम किया है. दोनों ही फिल्में सुपरहिट रही हैं. ऐसे में आमिर अगर इस फिल्म का सीक्वल राजू के साथ ही ला रहे हैं, तो ये फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं।

# BJP वाले पेपर लीक करवा रहे...', केजरीवाल का केंद्र और सीबीआई पर बड़ा हमला

**● आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि 93 पेपर लीक से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है और राजनीतिक बदलाव की अपील की**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**दिल्ली।** AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर गंभीर सवाल उठाए। केजरीवाल ने युवाओं के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सीबीआई जांच पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि पहले के मामलों में भी एजेंसी प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। दावा किया कि एक पुराने मामले में मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन 90 दिन तक चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, जिसके चलते आरोपी को जमानत मिल गई। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों पर संदेह है, उनका संबंध राजस्थान से जुड़ा हुआ है। साथ ही आरोप लगाया कि पूरे तंत्र में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोग पेपर लीक करवाने में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने युवाओं से राजनीतिक बदलाव की अपील करते हुए कहा कि अगर नेपाल का युवा वहां की सरकार बदल सकता है, तो देश का युवा भी भाजपा के मंत्रियों को बदल सकता है।

**भारत की विदेश नीति पर भी उठाया सवाल**

इसके अलावा केजरीवाल ने भारत की विदेश नीति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि रूस से आ रहे गैस से भरे जहाज को भारत सरकार ने रास्ते में रुकवा दिया और यह सब अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump के इशारे पर किया गया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश ट्रंप की बात नहीं मान रहे, तो भारत सरकार ऐसा क्यों कर रही है।

## कृषि आय पर टैक्स लगाने की मांग वाली याचिका खारिज, हाई कोर्ट ने विधायिका को बताया अधिकार क्षेत्र

**दिल्ली।** दिल्ली में कृषि आय पर टैक्स लगाने के निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि याचिका में उठाई गई मांग पूरी तरह से विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आती है और अदालत का इस संबंध में कोई आदेश पारित करना सही नहीं है। याचिकाकर्ता आकाश गोयल ने कृषि आय को टैक्स से लगातार दी जा रही छूट को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि इस छूट से आर्थिक असमानता पैदा होती है और ज्यादा आय वाले लोग इसका गलत फायदा उठाते हैं।

# कान्स में मर्मेड बनीं उर्वशी रौतेला... क्रिस्टल ताज और कौरेसल बैग संग ढाया कहर

**● एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. उर्वशी ने हाल ही में कांस 2026 में हिस्सा लिया. वो पिछले पांच सालों से कांस का हिस्सा बन रही हैं. इस बार भी उर्वशी ने एक कमाल का आउटफिट चुना और बहुत ही ग्रेसफुल तरीके से खुद को रेड कार्पेट पर प्रेजेंट किया।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बॉलीवुड-साउथ एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने ग्लैमर और खूबसूरती के लिए जानीं जाती हैं. न सिर्फ अपने सिजलिंग लुक्स से उर्वशी फैंस को हैरान करती हैं, बल्कि वो अपने इंटरव्यूज को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती हैं। उर्वशी पिछले पांच सालों से हर साल फ्रांस के कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बन रही हैं. उर्वशी के लुक्स को लेकर हमेशा ही चर्चा रहती है, क्योंकि वो अपने आउटफिट्स के साथ काफी अलग-अलग तरह के एक्सपेरिमेंट्स करती हैं। उर्वशी के पिछले साल के कांस लुक को भी फैंस ने काफी पसंद किया था. इस साल भी एक्ट्रेस ने रेड कार्पेट पर कान्फिडेंस से वॉक करते हुए दुनिया का ध्यान खींचा. अब एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने कांस के 79वें संस्करण की ग्रांड रेड कार्पेट शाम के लिए वियतनामी फैशन लेबल 'जोलीपोली काउचर' की और से तैयार किया गया कस्टम गाउन पहना था. ये एक मरमेड-स्टाइल गाउन है। इस गाउन का बेस हल्के लैवेंडर और शीयर टोन का है, जो पूरी तरह से हजारों चांदी के छोटे क्रिस्टल, मोतियों और कीमती पत्थरों की नक्काशी से बनाया गया है. केप स्लीव्स और सिल्वर डैजलर्स के साथ ये गाउन एक खूबसूरत पीस दिखता है।

गाउन से मैच करते हुए उन्होंने बड़े इयररिंग्स और कलाई पर मैचिंग ब्रेसलेट पहना है. उर्वशी इस लुक में कमाल की लग रही हैं. फैंस को भी एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। हाथ में दिखाई दे रहा क्लच सबसे अनोखा था. उन्होंने हाथ में रंग-बिरंगे क्रिस्टल और स्टोन से सजा हुआ एककैरोसेल बैग थामा हुआ था, जिसने इंटरनेट पर सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं।

# 500 रुपए में जेल यात्रा! 24 घंटे तक कैदी बनकर जानिए सलाखों के पीछे की जिंदगी

**● तेलंगाना जेल विभाग ने हैदराबाद के चंचलगुडा जेल में 'जेल का अनुभव करें' कार्यक्रम और नया संग्रहालय शुरू किया है. इसका उद्देश्य अपराध जागरूकता और जेल जीवन की कठिनाइयों से लोगों को परिचित कराना है। यह पहल दिखाती है कि जेलें अब सजा के बजाय सुधार के केंद्र हैं. मुख्य लक्ष्य युवाओं को अपराध से दूर रखकर कानून का सम्मान सिखाना है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तेलंगाना जेल विभाग ने हैदराबाद के चंचलगुडा केंद्रीय जेल में एक नई पहल की शुरुआत की है। समाज में अपराध के प्रति जागरूकता पैदा करने और लोगों को जेल जीवन की कठिनाइयों से परिचित कराने के उद्देश्य से, 'जेल का अनुभव करें' कार्यक्रम और अत्याधुनिक तेलंगाना जेल संग्रहालय का उद्घाटन तेलंगाना राज्य के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार (12 मई, 2026) को किया. राज्यपाल ने संग्रहालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें यह दिखाया गया है कि कैसे जेलें, जो कभी केवल सजा देने के केंद्र हुआ करती थीं, आज सुधार गृह बन गई हैं। संगारेड्डी में स्थित पूर्व जेल संग्रहालय भवन की जीर्ण-शीर्ण अवस्था को देखते हुए, इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ चंचलगुडा में स्थानांतरित कर दिया गया। प्राचीन कारागार अभिलेख, हथकड़ियां, कैदियों को बांधने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जंजीरें और फांसी से संबंधित दुर्लभ वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं. कैदियों के बैरकों के मॉडल, पेंटिंग गैलरी और ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के माध्यम से जेल के इतिहास को समझाया गया है. 1961-68 के बीच नागार्जुनसागर बांध के निर्माण में कैदियों द्वारा दी गई सेवाओं को एक विशेष अनुभाग में प्रदर्शित किया गया है।

**24 घंटे तक जेल में रह सकेंगे आम लोग**

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को जेल जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है. वे एक निश्चित शुल्क देकर 12 या 24 घंटे जेल में बिता सकते हैं. इसमें कैदियों के कपड़े, जेल का भोजन, सख्त अनुशासन और कैदियों जैसी दैनिक गतिविधियां शामिल हैं। इसके लिए पंजीकरण हेतु 500 रुपये का अग्रिम भुगतान आवश्यक है। प्रतिभागी सख्त नियमों के तहत 24 घंटे तक जेल में रह सकते हैं. फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वर्जित हैं। जेल अधिकारियों ने बताया कि समय से पहले जेल छोड़ने पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कार्यक्रम केवल मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि अधिकारियों को उम्मीद है कि जेल जीवन की कठिनाइयों को देखकर युवा अपराध की ओर रुख नहीं करेंगे और कानून का सम्मान करना सीखेंगे. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेल अनुशासन और जीवन के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

**कैसे करना होगा रजिस्ट्रेशन?**

जेल परिसर में आगंतुकों की सुविधा के लिए एक कैफेटेरिया स्थापित किया गया है, जो लोग इस अनुभव का लाभ उठाना चाहते हैं, वे वेबसाइट www. telanganajaile& perience. com के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए, आप 94946 32046 पर संपर्क कर सकते हैं। चंचलगुड़ा जेल की सजा के बजाय सुधार को बढ़ावा देने की पहल पूरे देश में एक मिसाल कायम कर रही है. संग्रहालय का अंतिम लक्ष्य लोगों को जेल प्रणाली से डरने के बजाय जिम्मेदार नागरिक बनने के बारे में शिक्षित करना है।

# तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को मारी टक्कर, 10 साल की बच्ची समेत तीन की मौत

**● जीटी करनाल हाईवे पर बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**दिल्ली।** जीटी करनाल हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 10 साल की बच्ची, ऑटो रिक्शा चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। घायलों में पिता व पुत्र की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में बेटी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अलीपुर के शनि मंदिर के पास तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मारी।

टक्कर में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। ऑटो रिक्शा में सात लोग सवार थे, एक परिवार के चार लोग शामिल थे। बेटी की मौत हो गई और पिता-पुत्र गंभीर रूप से घालय हो गए। चौथे सदस्य को मामूली चोट आई। हादसे में जान गंवाने वाले तीसरे शख्स की अभी पहचान नहीं हो पाई है।हादसे के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल विभाग, कैट्स एंबुलेंस, ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

**हादसे के बाद ऑटो में बुरी तरह फंसा एक शख्स**

हादसे के बाद एक व्यक्ति ऑटो में बुरी तरह फंस गया, जिसे दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। घायलों को तुरंत राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# असम विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन का इतिहास होगा प्रकाशित

**● 31 मई तक प्रामाणिक दस्तावेज जमा करने की अपील**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**श्रीभूमि:** शिलचर, 13 मई बुधवार को प्रशासन ने बराक घाटी में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन के इतिहास को दस्तावेज़बद्ध कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की पहल की है। विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के निर्णय के तहत प्रोफेसर अशोक कुमार सेन के नेतृत्व में घाटी के विशिष्ट व्यक्तियों को लेकर एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है। बुधवार को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित सेमिनार हॉल में समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। प्रोफेसर अशोक कुमार सेन की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलपति प्रोफेसर राजीव मोहन पंथ, कुलसचिव डॉ. प्रदोष किरण नाथ, वित्त अधिकारी डॉ. शुभदीप धर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रारंभिक वक्तव्य में कुलसचिव डॉ. नाथ ने कहा कि असम विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि बराक घाटी के लोगों के लंबे आंदोलन, त्याग और जनआकांक्षाओं का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि तथ्य-आधारित और गैर-राजनीतिक दृष्टिकोण से इस इतिहास को पुस्तकाकार प्रकाशित करना समय की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर पंथ ने कहा कि बराक घाटी की संस्कृति और इतिहास अत्यंत समृद्ध है, लेकिन बाहरी लोग इससे अनभिज्ञ हैं। उन्होंने असम विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन, मालेगढ़ तथा चरगोला एक्सोडस जैसे ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए इस पहल की सराहना की और आंदोलन पर संगोष्ठी आयोजित करने की आवश्यकता जताई। बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप दत्तराय, पत्रकार तैमूरराजा चौधरी, पूर्व प्राचार्य हिलाल उद्दीन लस्कर, शोधकर्ता संजीव देव लस्कर, डॉ. देवश्री दत्त, आबिद राजा मजूमदार, नाजिया यासमीन मजूमदार, विकास चक्रवर्ती, प्रोफेसर विश्वतोष चौधरी, प्रोफेसर ननीकुमार सिंह, प्रोफेसर वरुणज्योति चौधरी, साग्निक चौधरी, डॉ. अबुल हसन चौधरी तथा कवि शतदल आचार्य सहित कई बुद्धिजीवियों ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना आंदोलन केवल एक शिक्षण संस्थान की मांग नहीं था, बल्कि यह क्षेत्र की शिक्षा, संस्कृति और पहचान से जुड़े लंबे संघर्ष का प्रतीक था। उन्होंने आंदोलन के विभिन्न चरणों, सामाजिक पृष्ठभूमि तथा छात्र-युवा समाज की भूमिका को समाहित करते हुए विस्तृत ग्रंथ प्रकाशित करने पर जोर दिया। बैठक में दिवंगत प्रोफेसर सुबीर कर और पत्रकार विकास चक्रवर्ती की पांडुलिपियों से भी जानकारी संकलित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही, आंदोलन से संबंधित प्रामाणिक दस्तावेज रखने वाले लोगों से 31 मई तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार सेन अथवा संपादकीय समिति के मुख्य संपादक प्रोफेसर विश्वतोष चौधरी और प्रोफेसर वरुणज्योति चौधरी से संपर्क करने की अपील की गई। बैठक के अंत में सलाहकार समिति के संयोजक डॉ. पिनाक कांती राय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

# तेल संकट के बीच रूस ने फिर निभाई दोस्ती, कहा- भारत में कम नहीं होंने देंगे सप्लाई

**● रूस ने भारत को ऊर्जा आपूर्ति जारी रखने का आश्वासन दिया है, जिसमें गैस, तेल और कोयला शामिल है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश में ईंधन की बचत की अपील के बीच भारत के खास दोस्त रूस से एक अच्छी खबर सामने आई है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत दौरे से पहले एक इंटरव्यू में कहा कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े सभी समझौतों को हर हाल में पूरा किया जाएगा। लावरोन ने कहा कि रूस यह सुनिश्चित करेगा कि भारत के हितों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे। भारत और रूस के संबंधों पर बात करते हुए रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते बहुत मजबूत और खास हैं। ऐसी कोई भी परिस्थिति नहीं हो सकती जिसमें दोनों देशों के रास्ते अलग हो जाएं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति के मामले में रूस ने कभी भी भारत के प्रति अपने दायित्वों को कम नहीं आंका है।

**भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा- लावरोव**

सर्गेई लावरोव ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं गारंटी देता हूं कि रूस से होने वाली आपूर्ति के संबंध में भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। हम हर संभव कोशिश करेंगे कि यह अनुचित और बेईमान प्रतिस्पर्धा हमारे समझौतों को कई नुकसान न पहुंचे। रूस भारत को गैस, तेल और कोयले जैसे हाइड्रोकार्बन की आपूर्ति लगातार जारी रखे हुए है। भविष्य में दोनों देशों का सहयोग और भी मजबूत होगा।

**BRICS देशों विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत आएंगे लावरोव**

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव BRICS देशों विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत का दौरा करेंगे। यहा वे अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। साथ ही BRICS देशों विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। रूसी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, लावरोव और जयशंकर के बीच अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसका फोकस मिडिल-ईस्ट में मौजूदा हालात होगा।

**पीएम मोदी से भी मिलेंगे लावरोव**

अपनी भारत यात्रा के दौरान रूसी विदेश मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी से रूस दौरे से पहले यह मुलाकात काफी अहम है।